+91 7428706078
info@cedsi.in

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

ब्राज़ील में रिकॉर्ड तोड़ नेलोर गाय 40 करोड़ में बिकी, जिसने पशुधन नीलामी में नया मील का पत्थर स्थापित किया

वियाटिना-19 एफआईवी मारा इमोविस नाम की नेलोर की गाय ने हाल ही में ब्राजील में एक नीलामी में 40 करोड़ रुपये प्राप्त कर अब तक की सबसे महंगी गाय के रूप में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। इस बिक्री ने पशुधन के प्रति उत्साही लोगों का ध्यान आकर्षित किया है, जो उद्योग में बेहतर आनुवंशिक गुणों के महत्व को उजागर करता है।

नेलोर नस्ल, जो मूल रूप से भारत की है लेकिन अब ब्राजील में प्रमुख है, अपने सफेद फर और विशिष्ट कूबड़ के लिए जानी जाती है। भारतीय ओंगोल मवेशियों से उत्पन्न, वियाटिना-19 एफआईवी मारा इमोविस जैसी नेलोर गायों की गर्म तापमान के प्रति लचीलापन, कुशल चयापचय और परजीवियों के प्रतिरोध के लिए मांग की जाती है।

वियाटिना-19 एफआईवी मारा इमोविस की बिक्री इसकी आनुवंशिक क्षमता में निवेश का प्रतिनिधित्व करती है, जो नेलोर नस्ल के सुधार में योगदान देती है। यह पशुधन बाजार में नेलोर नस्ल के अंतर्राष्ट्रीय महत्व को रेखांकित करता है।

गायों के लिए संतुलित आहार मीथेन उत्सर्जन को 15% कम करता है: एनडीडीबी रिपोर्ट

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के अनुसार, गायों को संतुलित आहार उपलब्ध कराने से मीथेन उत्सर्जन को 15% तक कम किया जा सकता है। यह खोज महत्वपूर्ण है क्योंकि पशुधन, विशेष रूप से मवेशी, भारत में सभी मीथेन उत्सर्जन के लगभग 48% के लिए जिम्मेदार हैं। भारत विश्व स्तर पर मीथेन का तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक है

मीथेन एक शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस है जो कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में अल्पावधि में वातावरण में 80 गुना अधिक गर्मी को रोक सकती है। जबकि भारत सरकार मीथेन उत्सर्जन में कटौती के वैश्विक वादों में शामिल नहीं हुई है, एनडीडीबी इस मुद्दे के समाधान के लिए कदम उठा रही है।

बोर्ड पशुधन को अधिक पौष्टिक आहार प्रदान करने के लिए आनुवंशिक सुधार कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिससे उत्पादकता बढ़ेगी और समान मात्रा में दूध का उत्पादन करने के लिए आवश्यक गायों की संख्या कम हो जाएगी। इसके अतिरिक्त, एनडीडीबी फसल जलाने से होने वाले उत्सर्जन को कम करने के लिए गायों के चारे के रूप में फसल अवशेषों के उपयोग की खोज कर रहा है, जो एक उच्च उत्सर्जन वाली प्रथा है।

डेयरी किसानों के लिए ताप सूचकांक आधारित पशु बीमा योजना

बीमा नेट अप्रैल और मई के दौरान उपलब्ध होगा, एम.टी. ने कहा। एक प्रेस विज्ञप्ति में संघ के अध्यक्ष जयन। एर्नाकुलम संघ में एर्नाकुलम, त्रिशूर, कोट्टायम और इडुक्की जिलों के डेयरी किसान शामिल हैं। बीमा योजना की सदस्यता के लिए प्रीमियम ₹99 प्रति पशु है।

सहकारी दूध उत्पादकों का एर्नाकुलम जोनल यूनियन बढ़ते तापमान के कारण गर्मियों के दौरान दूध उत्पादन में तेज उतार-चढ़ाव से डेयरी किसानों को बचाने के लिए हीट इंडेक्स-आधारित पशु बीमा योजना लेकर आया है।

क्षेत्रीय संघ ₹50 प्रदान करेगा और किसान ₹49 देंगे। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि जिलों में प्राथमिक डेयरी सहकारी समितियों के एक हजार से अधिक डेयरी किसानों के इस योजना में शामिल होने की उम्मीद है। बीमा का लाभ सीधे किसानों के खाते में भेजा जाएगा।

अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) ने एनडीआरआई के अनुसंधान की समीक्षा की: डेयरी किसानों के लिए क्लोन प्रौद्योगिकियों पर जोर

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी) ने हाल ही में अपनी अनुसंधान गतिविधियों की समीक्षा के लिए राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई) का दौरा किया। अध्यक्ष डॉ. नागेंद्र शर्मा के नेतृत्व में समिति ने, जिसमें एनडीआरआई के पूर्व निदेशक डॉ. शर्मा भी शामिल थे, संस्थान के विभिन्न विभागों और केंद्रों का दौरा किया। उन्हें पशुधन अनुसंधान केंद्र में क्लोन किए गए जानवरों और उनके दाताओं के प्रदर्शन सहित किए जा रहे शोध कार्यों के बारे में जानकारी दी गई।

डॉ. शर्मा और आरएसी सदस्यों ने डेयरी किसानों के लाभ के लिए क्लोन प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के महत्व पर प्रकाश डाला। समिति ने नेशनल इनिशिएटिव ऑन क्लाइमेट रेजिलिएंट एग्रीकल्चर (एनआईसीआरए) परिसर का भी दौरा किया, जहां उन्होंने जानवरों पर पर्यावरणीय तनाव के प्रभावों का अध्ययन करने के लिए डिज़ाइन किए गए उन्नत शेड की सराहना की।

कृत्रिम प्रजनन अनुसंधान केंद्र में, समिति ने बेहतर वीर्य दाता बैल और क्लोन बैल को देखा। उन्हें सीमेन फ्रीजिंग लैब और सुविधाएं भी दिखाई गईं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने मॉडल डेयरी प्लांट का दौरा किया जहां गुणवत्तापूर्ण दूध उत्पादों का परीक्षण, निर्माण और बिक्री की जाती है। संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) डॉ. राजन शर्मा ने समिति को दूध परीक्षण गतिविधियों और डेयरी उद्योग को हस्तांतरित प्रौद्योगिकियों के बारे में जानकारी दी, जिससे संस्थान के लिए राजस्व उत्पन्न होता है।

अधिशेष के बीच डेयरी फेडरेशन ने सरकार से मध्याह्न भोजन में दूध शामिल करने का आग्रह किया

मध्य प्रदेश राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन ने सरकार से अपनी मध्याह्न भोजन और आंगनवाड़ी योजनाओं में दूध को शामिल करने का आग्रह किया है। 30% से अधिक के दैनिक अधिशेष के साथ, महासंघ को राज्य में लगभग 4,000 टन मक्खन और पाउडर के बढ़ते स्टॉक का सामना करना पड़ रहा है।

इसके अतिरिक्त, "राष्ट्रीय गोकुल मिशन" के तहत देहरादून में स्वदेशी गोजातीय प्रजातियों के लिए भ्रूण प्रत्यारोपण के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया गया है। इस कदम का उद्देश्य राज्य में पशु प्रजनन सेवाओं को बढ़ाते हुए अधिशेष मुद्दे का समाधान करना है।

सहायक महाप्रबंधक असीम निगम ने चुनौती पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अधिशेष कम मार्जिन पर काम कर रहे महासंघ पर बोझ बढ़ाता है। 10,000 गांवों के 2.5 लाख से अधिक किसानों से जुड़े महासंघ को आगामी गर्मी के महीनों में पैकेज्ड दूध की मांग में वृद्धि की आशंका है। इस बीच, राज्य सरकार ने 35 और मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयां स्थापित करने और सभी 95 विकास खंडों में पशु चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित करने की योजना की घोषणा की।

हम कौन हैं?

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर एग्रीकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएएसआई)" के तहत काम कर रहा है, यह एक स्वायत्त संगठन है जो "**एग्रीकल्चर स्किल कौंसिल ऑफ़ इंडिया (ASCI)**" के तत्वावधान में काम कर रहा है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के संगठित और असंगठित क्षेत्रों में लगे किसानों, वेतनभोगी श्रमिकों, स्व-रोज़गार पेशेवरों, विस्तार श्रमिकों आदि के कौशल और क्षमता निर्माण के लिए **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई**) के तहत काम करना।

सीईएएसआई कृषि के विभिन्न उप-क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों का एक शीर्ष संगठन है।

- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर हॉर्टिकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएचएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फार्म मेकेनिज़शन स्किल्स इन इंडिया (सीईएफएमआई)

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

+91 7428706078

info@cedsi.in

www.cedsi.in Follow us on Facebook Cedsi Dairyskills Follow us on Twitter @CEDSI_India Follow us on Instagram @cedsi_india Follow us on linkedin Cedsi dairy COE

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Access to our Journal and Publications
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Consultative and advisory services to help members
- Consulting and advisory services to help members
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

Corporates/ Cooperatives

NGO's/CSR Foundations

Dairy Farmers

Students

Professional

www.cedsi.in @cedsi_india

7972377422
info@cedsi.in
www.cedsi.in
Follow us on Facebook Cedsi Dairyskills
Follow us on Twitter @CEDSI_India
Follow us on Instagram @cedsi_india
Follow us on linkedin Cedsi dairy COE

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी